क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480 सह संपादक : संदीप मौर्या
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 263, गुरुवार, 18 अक्टूबर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

ट्रक की टक्कर से वजीराबाद फ्लाईओवर के नीचे डीटीसी बस पलटी, 10 घायल

एजेंसी, नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बुधवार सुबह के वजीराबाद फ्लाईओवर के नीचे ट्रक की टक्कर से यात्रियों से भरी एक डीटीसी की बस पलट गई। इस हादसे में बस ड्राइवर सहित 10 लोग घायल हो गए। हादसे के वक्त डीटीसी बस में 21 लोग सवार थे। घायलों को पास के ट्रॉमा सेंटर और अरुणा आसफ अली अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, यह घटना सुबह छह बजे उस समय हुई जब भलस्वा डेरी से निजामुद्दीन के लिए चलने वाली रूट संख्या 447 की डीटीसी बस (DL -1PC, 8780) भलस्वा डेयरी से कश्मीरी गेट की तरफ जा रही थी, तभी एक ट्रक (HR {xC, 3592) ने उसे टक्कर मार दी जिससे बस पलट गई। घायलों की पहचान राजेंद्र सिंह (45), राज कुमार (45), सतीश (22), राजबीर सिंह (45), सौरभ (25), गीता (55), सावित्री (45), अजीत सिंह (56), हरमीत सिंह (50), राजेंद्र (38) के रूप में हुई है। इसमें राजबीर सिंह को गंभीर चोट आई है। बस चालक का नाम अजीत सिंह (56) है वो भी इस हादसे में घायल हो गया है। हालांकि, बस कंडक्टर मुनीश इस हादसे में बच गया। उत्तर दिल्ली जिला की पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) नूपुर प्रसाद ने बताया कि सभी घायलों को सुश्रुत ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया और इलाज के बाद उन्हें वहां से छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने कहा कि दुर्घटना के तुरंत बाद ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया। ट्रक को जब्त कर लिया गया है। इस सिलसिले में केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट का आदेश, दशहरा में सिर्फ 3 घंटे ही चला सकते हैं पटाखे

एजेंसी, नई दिल्ली। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने पटाखे चलाने को लेकर एक महत्वपूर्ण आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने दशहरा पर सिर्फ तीन घंटे पटाखे चलाने को मंजूरी दी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि यह आदेश दीवाली, गुरुपूरब पर भी लागू होगा। आपको बता दें कि मंगलवार को मद्रास हाईकोर्ट ने पटाखा विक्रेताओं की एक याचिका पर 15 नवम्बर तक पटाखों की ऑनलाइन बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था। याचिका में व्यवसाय में नुकसान के साथ ही सुरक्षा कारणों का हवाला दिया गया। न्यायमूर्ति एस. वैद्यनाथन ने अंतरिम आदेश पारित किया और विस्फोटकों के उप प्रमुख नियंत्रक और चेन्नई पुलिस आयुक्त तथा निगम आयुक्त को नोटिस जारी किया। याचिकाकर्ता एम. शाइक अब्दुल्ला ने प्रतिवादियों को 23 सितम्बर की अपनी याचिका पर निर्देश देने की मांग की। याचिका में उन्होंने पटाखों की ऑनलाइन बिक्री पर रोक लगाने की मांग की है। याचिकाकर्ता ने कहा कि वह चेन्नई मेट्रो पटाखा डीलर्स एसोसिएशन के सदस्य हैं और पिछले 15 वर्षों से लाइसेंसिंग अधिकारियों की तरफ से चिह्नित स्थानों पर पटाखे बेच रहे हैं। उन्होंने कहा कि 118 सदस्यों वाला एसोसिएशन शिवकाशी और आसपास के गांवों में पटाखा कुटीर उद्योग का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अमृतसर : दशहरा पर्व के मद्देनजर रावण के दस सिरों के पुतले को अंतिम रूप देता एक कलाकार।

फरीदाबाद में पुलिस लाइन से चलाई गईं बसें

फरीदाबाद, एजेंसी। हरियाणा में रोडवेज कर्मी 700 निजी बसें लाने के सरकार के फैसले के खिलाफ बुधवार को दूसरे दिन भी हड़ताल पर हैं। हड़ताल के दूसरे दिन बुधवार को रोडवेज प्रशासन ने कुछ बसें बस अड्डे से तो कुछ बसें पुलिस लाइन से चलाईं। ऐसा करके विभाग ने सिटी एवं सदर डिपो की करीब 80 बसों को चलाकर हड़ताल को फेल करने का काम किया। पुलिस के इस कदम से नगर निगम सहित अन्य विभागों के सैकड़ों कर्मचारी बस अड्डे पर पहुंचकर धरने पर बैठ गए। इसके बाद डिपो से कोई बस आ जा नहीं पा रही है।

पलवल में हड़ताल के चलते नहीं चली एक भी बस

पलवल में सर्व कर्मचारी यूनियन सर्व कर्मचारी महासंघ के सहयोग से रोडवेज यूनियन के क्लर्क और चालक परिचालक हड़ताल पर हैं। मंगलवार को केवल एक बस चली थी, जबकि आज दूसरे दिन एक भी बस नहीं चली।

बस अड्डों पर पुलिसकर्मी तैनात

हरियाणा रोडवेज के कर्मचारी राज्य में 700 निजी बसें लाने के सरकार के फैसले के खिलाफ हड़ताल पर चले गए हैं। आवश्यक सेवा संरक्षण अधिनियम (एस्मा) लागू होने के बावजूद रोडवेज कर्मचारी हड़ताल पर डटे हुए हैं। उन्होंने रोहतक, भिवानी, सिरसा और चंडीगढ़ सहित राज्य के विभिन्न डिपो में धरना दिया। किसी अप्रिय घटना को

बेटे और भक्तों के मामले के 15 दोषी मामले

2014 में रामपाल के आश्रम में छापेमारी के दौरान हुई हिंसा में मारे गए थे 6 लोगएक अन्य महिला की हत्या के मामले में कोर्ट बुधवार को सुना सकता है सजा चार महिलाओं व एक बच्चे की हत्या के मामले में कोर्ट ने 11 अक्टूबर को ठहराया था दोषी रामपाल, उसका बेटा वीरेंद्र, भांजा जोगेंद्र, बहन पूनम और मौसी सावित्री के अलावा बबीता, राजकपूर उर्फ प्रीतम, राजेंद्र, सतबीर सिंह, सोनू दास, देवेंद्र, जगदीश, सुखवीर सिंह, खुशहाल सिंह, अनिल कुमार को कोर्ट ने दोषी ठहराया था। रामपाल,

चार महिलाओं व एक बच्चे की हत्या के मामले में कोर्ट ने 11 अक्टूबर को ठहराया था दोषी

उसका बेटा वीरेंद्र, भांजा जोगेंद्र, बहन पूनम और मौसी सावित्री के चार महिलाओं और बच्चे की मौत के मामले में दोषी करार बरवाला के सतलोक आश्रम संचालक रामपाल सहित 15 दोषियों को हिसार के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डीआर चालिया की विशेष अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। उन पर दो-दो लाख पांच-पांच हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना अदा न करने पर उन्हें दो वर्ष की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। कोर्ट ने हत्या के दो मामले में रामपाल सहित 23 लोगों को 11 अक्टूबर को दोषी करार दिया था। वहीं रामपाल के वकील ने फैसले पर असंतोष जताते हुए अदालत के फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती देने की घोषणा की है। सजा सुनाने के लिए अदालत में सुनवाई करीब 11 बजे शुरू हुई। सजा सुनाए जाने के समय अदालत में

जज के बेटे से हुआ था विवाद, गुस्से में गनर ने चलाई गोली

गुरुग्राम। गुरुग्राम शूटआउट मामले में पुलिस ने दावा किया है कि जज की पत्नी और बेटे पर हमला करने वाले गनर महिपाल ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। घटना के चार दिन बाद बुधवार को मीडिया के सामने आई पुलिस ने कहा कि गनर महिपाल ने जज की पत्नी व बेटे को तात्कालिक गुस्से की वजह से गोली मारी थी। पुलिस उपायुक्त अपराध सुमित कुमार ने बताया कि गाड़ी छोड़ कर गायब रहने को लेकर गनर और जज के बेटे में विवाद हुआ था। इसके बाद जब जज की पत्नी ने बीच बचाव का प्रयास किया तो गनर ने गोली चलाई। उन्होंने कहा कि पुलिस पूछताछ में गनर ने जज और उनके परिवार की बड़ाई की है। गौरतलब है कि आरोपी महिपाल ने गुरुग्राम के सेक्टर-49 के आर्केडिया मार्केट में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश कृष्णकांत की पत्नी और बेटे को गोली मार दी थी। जज की घायल पत्नी रितु ने इलाज के दौरान शनिवार देर रात दम तोड़ दिया था।

मानसिक रूप से बीमार शख्स ने बुजुर्ग महिला की हत्या की, मां पर भी किया ईंट से हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी में मानसिक रूप से अस्थिर एक व्यक्ति ने फूलदान से हमला कर अपनी बुजुर्ग रिश्तेदार की कथित रूप से हत्या कर दी और ईंट मारकर अपनी मां को घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार, उसके परिवार के सदस्यों ने पुलिस को बताया कि कन्हैया कुमार (45) मानसिक रूप से अस्थिर है और पिछले दो-तीन दिनों से वह अजीब सा व्यवहार कर रहा था। वह खाना भी ठीक से नहीं खा रहा था।

वजीराबाद फ्लाईओवर के नीचे डीटीसी बस पलटी, 10 घायल

पुलिस ने बताया कि मंगलवार को उसकी मां और एक रिश्तेदार रात लगभग 10 बजे उसके घर आई थीं। कन्हैया कुमार ने अपने पड़ोसी के घर के बाहर रखा एक फूलदान उठाया और 65 वर्षीय अपनी रिश्तेदार के सिर पर मार दिया। इसके बाद उसने एक ईंट उठाई और आगे बढ़ा। जब उसकी पत्नी और बच्चों ने उसे रोकने का प्रयास किया तो उसने ईंट उन पर फेंक दी। इसके बाद व्यक्ति ने ईंट अपनी 70 वर्षीय मां के सिर पर भी मार दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अस्पताल में उसकी रिश्तेदार को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि उसकी मां के सिर में चोट लगी है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। कन्हैया कुमार विवाहित है और उसकी तीन बेटियां और दो बेटे हैं।

पांचवीं कक्षा के छात्र ने फंदा लगाकर आत्महत्या की

नोएडा, एजेंसी। नोएडा के थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के बरौला गांव में रहने वाले पांचवीं कक्षा के छात्र ने अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। थाना सेक्टर-49 की प्रभारी निरीक्षक अनीता चौहान ने बताया कि बरौला गांव में रहने वाले पांचवीं कक्षा के छात्र ने मंगलवार रात अपने घर पर पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि बच्चे की मां अपने पति से अलग होकर बरौला गांव में अपने बच्चों के साथ रह रही थी। उन्होंने बताया कि आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

पुलिस को पूछताछ के दौरान पता चला है कि छात्र पढ़ाई को लेकर तनाव में रहता था।

नाइजीरियाई छात्र अवैध शराब के साथ गिरफ्तार

नोएडा जिला आबकारी विभाग ने थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के ओखला बैराज के पास से एक नाइजीरियाई छात्र को छह पेटी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। थाना सेक्टर-39 के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार सिंह ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के एनआईयू कॉलेज से नर्सिंग की पढ़ाई कर रहे नाइजीरियाई छात्र सीजोके मंगलवार रात अपनी कार में छह पेटी दिल्ली मार्का शराब लेकर ग्रेटर नोएडा जा रहा था।

ओखला बैराज पर आबकारी विभाग की टीम चेकिंग कर रही थी।

थाना प्रभारी ने बताया कि आबकारी विभाग की टीम ने चेकिंग के दौरान नाइजीरियाई छात्र को शराब सहित गिरफ्तार कर लिया। उसे बुधवार को अदालत में पेश किया जाएगा।

दिल्ली पुलिस ने BSP नेता के बेटे के खिलाफ गैर जमानती वारंट मांगा

नई दिल्ली। दिल्ली के हयात होटल में पिस्टल लहराने के आरोपी बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के पूर्व सांसद के बेटे आशीष पांडेय के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने बुधवार को अदालत से गैर जमानती वारंट मांगा है। स्टाइलिश बाइक और लग्जरी गाड़ियों के शौकीन आशीष के पास पिस्टल, राइफल और बंदूक के लाइसेंस हैं। आशीष पर पांच सितारा होटल परिसर में लोगों को पिस्तौल से डराने तथा धमकी देने का आरोप है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को मामले में कथित लापरवाही के संबंध में होटल हयात रीजेंसी को कारण बताओ नोटिस भी भेजा था।

लखनऊ के गोमतीनगर में रहता है आशीष

अकबरपुर नगर के मोहसिनपुर मंसूपुर का मूल निवासी युवा उद्योगपति आशीष पांडेय उर्फ सुड्डू पांडेय लखनऊ के गोमतीनगर में पत्नी और बच्चों के साथ रहता है। लखनऊ में रहकर वह कारोबार चलाता है। आशीष के पिता राकेश पांडेय 2002 में सपा से जलालपुर के विधायक रह चुके हैं। वर्ष 2009 में बसपा से अम्बेडकरनगर लोकसभा के सांसद चुने गए थे।

कोलकाता के प्रख्यात दक्षिणेश्वर काली मंदिर में ''महासप्तमी पूजा' के लिए लाइनों में लगे श्रद्धालु।

हरियाणा सरकार ने हड़ताली रोडवेज कर्मियों को नौकरी से निकाला!, नई भर्ती के आवेदन मंगाए

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने आए दिन हड़ताल और आंदोलन करने आदी हो चुके तथा गत दो दिनों से फिर से हड़ताल पर गए रोडवेज कर्मचारियों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए अनेक अधिकारियों और कर्मचारियों को सस्पेंड तथा कइयों की सेवाएं समाप्त करने का फैसला लिया है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने रोडवेज के कर्मियों की हड़ताल के मद्देनजर जनता को हो रही असुविधाओं का कड़ा संज्ञान लेते हुए बुधवार को एक उच्च स्तरीय बैठक कर स्थिति की समीक्षा की तथा अनेक हड़ताली कर्मचारियों और अधिकारियों को भी सस्पेंड और अनेक की सेवाएं समाप्त करने के आदेश दिए।

पलवल के महाप्रबंधक व बहादुरगढ़ के वर्कस मैनेजर सस्पेंड

बैठक में प्रोबेशन पर चल रहे जिन चालकों ने मंगलवार और बुधवार की हड़ताल में भाग लिया उनकी सेवाएं भी बिना कारण बताओ नोटिस के बुधवार से ही समाप्त करने का भी फैसला।

इसी प्रकार, आऊटसोर्सिंस पॉलिसी-के तहत ठेके पर लगे जिन 252 चालक ने हड़ताल में भाग लिया है, उनकी सेवाएं भी बुधवार से ही समाप्त कर दी जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों के साथ अधिकारियों पर भी कड़ा संज्ञान लिया और पलवल के महाप्रबंधक और बहादुरगढ़ के वर्कस मैनेजर को भी सस्पेंड करने तथा इनके अलावा अन्य अधिकारियों की पर्दे के पीछे हड़ताल में रही भूमिका की जांच करने के निर्देश दिए।

930 कंडक्टरों और 500 ड्राइवरों की होगी नई भर्ती

मुख्यमंत्री ने इसके अलावा, प्रोबेशन पर चल रहे जिन नव नियुक्त क्लर्कों ने हड़ताल में भाग लिया उन्हें भी सस्पेंड करने का निर्णय लिया गया।

सरकार ने अब आऊटसोर्सिंग नीति-दो के तहत 930 कंडक्टरों और 500 ड्राइवरों की नई भर्ती के लिए आज ही विज्ञापन जारी कर आवेदन आमंत्रित करने का निर्णय लिया।

बैठक में परिवहन मंत्री कृष्ण लाल पंवार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, परिवहन विभाग के अतिक्ति मुख्य सचिव धनपत सिंह के अलावा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

गुरुग्राम में रोडवेज के दो कर्मचारी सस्पेंड

रोडवेज कर्मियों की दो दिवसीय हड़ताल को लेकर गुरुग्राम के दो रोडवेज कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। गुरुग्राम रोडवेज विभाग के महाप्रबंधक गौरव अंतिल ने बताया कि एक कंडक्टर और ड्राइवर को सस्पेंड किया गया है। ये कर्मचारी बस को छोड़कर हड़ताल में शामिल हो गए थे।

सरकार के आदेश पर यह कार्रवाई की गई, बाकी कर्मियों की वीडियो ग्राफ ी कराई जा रही है।

लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों पर कार्रवाई होगी।

फरीदाबाद के 75 कर्मचारियों पर गिर सकती है गाज

रोडवेज ने बुधवार शाम तक बल्लभगढ़ डिपो से करीब 80 बसों का संचालन किया है।

हड़ताल के दौरान नगर निगम सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारी बस अड्डा परिसर के बाहर नारेबाजी कर रहे हैं।

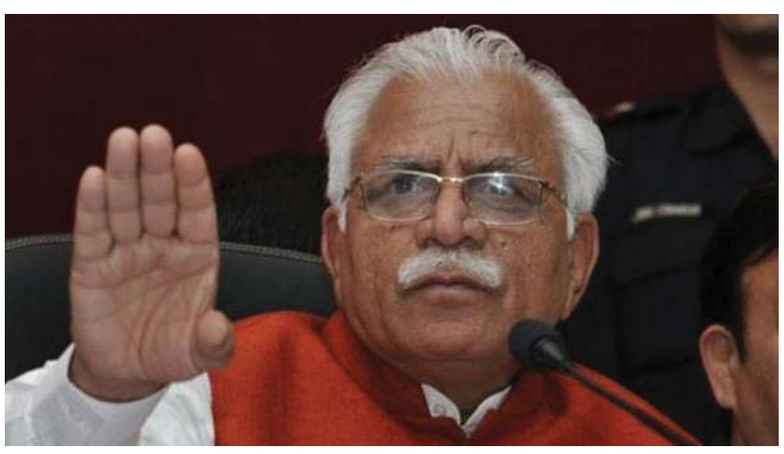

दूसरी ओर महाप्रबंधक भूपेंद्र सिंह ने बताया कि करीब 35 कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त और करीब 40 कर्मचारियों को सस्पेंड किए जाने की तैयारी की जा रही है, जिन पर कभी भी गाज गिर सकती है फिलहाल बुधवार देर शाम तक किसी भी कर्मचारी को बर्खास्त व सस्पेंड नहीं किया गया है।

संपादकीय

अब प्रयागराज

महान लेखक शेक्सपियर का यह कथन अक्सर दोहराया जाता है कि नाम में क्या रखा है? लेकिन अपने देश में नाम सिर्फ नाम नहीं होता, इसके पीछे एक राजनीति होती है। इसलिए भारत में गलियों, सड़कों, मुहल्लों, शहरों और यहां तक कि प्रदेश का नाम बदलना कोई नई चीज नहीं है। हमारे यहां हर दौर और तकरीबन हर शासन में नाम बदले गए हैं। नाम बदलने का इतिहास काफी पुराना है, इसके विरोध और समर्थन के इतिहास की उम्र भी इतनी ही है। कभी कनॉट प्लेस राजीव चौक हो जाता है, गुड़गांव गुरुग्राम हो जाता है, तो कभी मुगलसराय दीन दयाल उपाध्याय नगर। इस सूची में अब एक और नाम जुड़ गया है इलाहाबाद। इलाहाबाद के नए नाम की घोषणा हो गई है, उत्तर प्रदेश के मंत्रिमंडल ने फैसला ले लिया है और कुछ समय में अधिसूचना जारी होने के बाद से उसे प्रयागराज के नाम से जाना जाएगा। फिर जल्द ही सरकारी कागजात, तमाम होर्डिंग, मील के पत्थरों, डाकखानों, बस अड्डों, निजी और सरकारी क्षेत्र के दफ्तरों और स्कूली पाठ्य-पुस्तकों में नाम बदलने की कष्ट साध्य प्रक्रिया शुरू होगी। वैसे यह कष्ट साध्य सिर्फ कहने भर का ही शब्द है, क्योंकि देश की नौकरशाही हो नाम बदलने की तमाम खानापूरी निपटाने की अब आदत सी पड़ गई है। स्कूली बच्चों ने भी इसी अपनी नियति मान लिया है। सामान्य ज्ञान की किताबों में एक सवाल और जुड़ जाएगा कि प्रयागराज शहर का पुराना नाम क्या था? हो सकता है कि कुछ समय बाद यह सवाल कौन बनेगा करोड़पति जैसे टीवी कार्यक्रम की कमाई में भी अपनी भूमिका निभाए। इलाहाबाद के लोगों के लिए इसका एक खास मतलब जरूर है। वे अपने उन्हीं पुराने घरों, दफ्तरों और दुकानों वगैरह में रहेंगे, लेकिन उनका पता बदल जाएगा। हालांकि इस तरह पता बदलने से बहुत कुछ नहीं भी बदलता, उन्हें अपने शहर की समस्याओं से अब भी पहले की तरह ही जूझना होगा। इलाहाबाद में कुछ समय बाद ही कुंभ होना था। लेकिन अब शायद यह प्रयागराज में होगा। नया नाम इस कुंभ को एक नई पृष्ठभूमि देगा- मुगलकालीन इलाहाबाद की बजाय वैदिक युग का प्रयागराज। इस लिहाज से देखें, तो शायद यह इलाहाबाद का नाम बदलने का सबसे उपयुक्त समय था। नाम बदलने पर आपत्ति नहीं हो सकती। कभी-कभी यह जरूरी भी हो सकता है। आपत्ति सिर्फ इस बात की है कि हमारे पास नाम रखने या नाम बदलने की कोई स्पष्ट नीति नहीं है। देश का हर शहर, हर कस्बा, हर मुहल्ला एक लंबे इतिहास से गुजरा है और इसी ऐतिहासिक प्रक्रिया में उसने अपने नाम को हासिल किया है। इसी नाम के ईद-गिर्द हमारी बस्तियों और हमारे बाजार वगैरह ने अपनी सामाजिकता व मानसिकता हासिल की है। हम इतिहास को नहीं बदल सकते, सामाजिकता और मानसिकता को भी नहीं बदल पाते। बस नाम भर बदल देते हैं। कई बार नए नाम सिर्फ सरकारी सामग्री तक ही सीमित रह जाते हैं, प्रचलन में नहीं आते। पंजाब में एक जिला है रूपनगर। सरकारी कागजात पर यही नाम अंकित है। लेकिन हकीकत में कोई उसे इस नाम से नहीं जानता। वहां लोग जिस शहर में रहते, आते-जाते और जानते हैं, उसे वे रोपड़ कहते हैं। प्रयागराज के साथ शायद यह दिक्कत न आए, इलाहाबाद को इस नाम से भी संबोधित किया जाता रहा है। लेकिन नाम बदलने से पहले जरूरी यह है कि हम नाम की कोई स्पष्ट नीति बना लें।

हवा में जहर

दिल्ली-एनसीआर की हवा में एक बार फिर जहरीली हवा अपना असर दिखाने लगी है। पिछले कुछ दिनों के मौसम का अध्ययन करें तो साफ पता चलता है कि हवा में शुद्धता की बेहद कमी है और प्रदूषण का स्तर खराब से बहुत खराब होने की ओर अग्रसर है। बताया गया है कि हरियाणा और पंजाब के किसानों द्वारा पराली जलाने की वजह से प्रदूषण का स्तर बढ़ा है। जबकि केंद्र सरकार पराली न जलाने के वास्ते सब्सिडी के तौर पर 1200 करोड़ रुपये जारी कर चुकी है। इसमें से 6 करोड़ रुपये किसानों को मिले भी, इसके बावजूद पराली जलाने की घटना में कमी नहीं देखी गई। इस बात की पुष्टि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने भी तस्वीर जारी कर की है। हालांकि दिल्ली और आसपास के राज्यों में प्रदूषण बढ़ने और हवा में जहर घुलने की वजह पराली का जलाना नहीं है। विशेषज्ञों के मुताबिक पराली जलाने से सिर्फ 20-30 फीसद तक ही प्रदूषण बढ़ता है। जबकि कूड़ा जलाने से 20 फीसद, वाहनों से 30-40 फीसद और हवा में धूल के कारण 20-30 फीसद प्रदूषण फैलता है। तो साफहै प्रदूषण की असली वजह कुछ और ही है। हालांकि केंद्र सरकार ने हाल के महीनों में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिएकई कदम उठाए हैं। इसके बावजूद जनता को राहत का वह डोज नहीं मिल सका है, जिसकी उम्मीद की जाती है। चूंकि यह समस्या सिर्फ दिल्ली की नहीं है। इसकी जद में हर सूबा है। मगर हालात की गंभीरता को लेकर सरकार का रवैया टालू किस्म का है। केंद्र को इस खतरनाक हालात से दो-दो हाथ करने के लिए आगे आना ही होगा। सिर्फ वाहनों पर पाबंदी या जनरेटर सेट के इस्तेमाल पर रोक से बात नहीं बनने वाली। सामूहिक जागरूरकता से ही इस जानलेवा संकट से निजात मिल सकती है। ठीक है, सुप्रीम कोर्ट से अधिकार प्राप्त पर्यावरण प्रदूषण प्राधिकरण ने कुछ एहतियाती फैसले लिये हैं, मगर इसके लिए जनता की समझदारी और उनकी पर्यावरण के प्रति भागीदारी ज्यादा महत्वपूर्ण है। हर बार अक्टूबर के महीने से सर्दियों तक वायु गुणवत्ता ''खराब' और ''बहुत खराब' हो और कुछ सतही उपायों से इसका इलाज करने की डुगडुगी बजाई जाए, तो आने वाली पीढ़ी को हम क्या मुंह दिखाएंगे? वक्त आ गया है कि हरेक देशवासियों को इस समस्या से निपटने के लिए संजीदगी दिखानी होगी।

चौं रे चम्पू/अशोक चक्रधर

सभ्यता और संस्कृति

चौं रे चम्पू! सभ्यता और संस्कृती में का अंतर ऐ?-मैं कोई बहुत ज्ञानी हूं क्या? आप हमेशा ऐसे सवाल पूछते हैं, जिनका जवाब आपको मालूम होता है। न जाने कितने विद्वानों ने अपने-अपने युग के अनुसार दोनों के अंतर बता दिए, पर आज मुझे लगता है कि अनादि काल से दो ही संस्कृतियां हैं और उन दोनों के समन्वय अथवा विघटन से सभ्यताएं जन्म लेती आ रही हैं। दोनों संस्कृतियां बराबरी चाहती हैं। जब तक उनमें प्रेम, समर्पण, अपेक्षापूर्ति और भरोसा रहता, वे समन्वयवादी रहती हैं और जैसे ही उनमें परस्पर घृणा, अपघात, उपेक्षा और धोखा आता है, वे व्यग्र, उग्र और बदलाखोर हो जाती हैं।-कौन सी संस्कृती ऐं, बताय तौ सई!-एक है स्त्री संस्कृति, दूसरी पुरु ष संस्कृति। धरती पर ये दोनों महान संस्कृतियां हैं। समन्वय रहता है तो सभ्यता प्रफुल्ल-प्रसन्न रहती है, विघटन हो तो उदास, नाराज और सन्न रहती है। युद्ध-शांति या निर्माण-ध्वंस में, हर्ष-अपकर्ष या प्रकृति के साथ संघर्ष में, दोनों संस्कृतियां साथ-साथ विकसित हुई हैं। दोनों एक-दूसरे के प्रति शतरे के साथ समर्पित रहती हैं। दोनों सशक्त हैं, दोनों अशक्त हैं। दोनों दयाक्रांत, दोनों भयाक्रांत रहती हैं। बलशाली कौन का संघर्ष सदा से चला आ रहा है। अपनी परिधि का विस्तार दोनों संस्कृतियां सोच-समझ कर करती हैं। टकराहट होती है बराबरी के मुद्दे पर। मामला वर्चस्व का हो जाता है। पुरु ष संस्कृति बाहर से बलशाली, स्त्री संस्कृति अंदर से बलशाली। सामंती पुरु ष ने नियम-कायदे सब अपने पक्ष में बना लिये और उनका लाभ उठाया, लेकिन जनतंत्र आने पर भी वह स्त्री-बल को वह समझ नहीं पाया। इन दिनों सम्भ्रांत सभ्यता की पुरु ष संस्कृति मी टू से भयाक्रांत है। स्त्री संस्कृति निरंतर अपना परिधि-विस्तार कर रही है। आरोपण-प्रत्यारोपण तो इन संस्कृतियों में प्रारंभ से ही चला आ रहा। फिलहाल सम्भ्रांत पुरु ष-संस्कृति हतप्रभ है। गड़े मुर्दे जीवित हो रहे हैं। अभी तो गरीब स्त्री नहीं उठी है। वह उठी तो असंख्य उंगलियां उठ जाएंगी। -लल्ला चुनावन तक कौ हल्ला ऐ। पुरस्कार वापसी ऊ तौ ऐसे ई भई। बद अच्छौ बदनाम बुरौ।-आप ऐसा नहीं कह सकते चचा। दोनों को मत मिलाइए। स्त्री का पक्ष लीजिए।

बात पशुओं के अधिकारों की भी हो

विजय गोयल

कुछ समय पहले खबर आई कि इंदौर की पॉश कॉलोनी में एक तेंदुआ घुस आया, जिसने कई लोगों को घायल कर दिया। ऐसा कोई पहली बार नहीं हुआ, विभिन्न प्रकार के जंगली जानवरों द्वारा शहर में आकर उत्पात मचाने की खबरें आती रहती हैं। आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? शेर, बाघ, तेंदुआ, भालू और हाथी जैसे जंगली जानवर शहरों में घुसकर उत्पात मचा रहे हैं और कई बार भीड़ के हाथों मारे जा रहे हैं। तो क्या हमें इन जानवरों को मारने का लाइसेंस मिल गया है? वे किसी को मारें, तो गलत और मनुष्य जानवरों को मारे, तो सही?

सिर्फ छत्तीसगढ़ में साल 2015 से 2017 के बीच करीब 175 लोग हाथियों के हमले में मारे गए, वहीं हाथियों ने 43 हजार से अधिक घरों को उजाड़ दिया और फसलों को भी नुकसान पहुंचाया। इस दौरान लोगों ने बड़ी संख्या में हाथियों को भी मार डाला। उधर झारखंड में ऐसी ही घटनाओं में पिछले साल 56 लोगों और 13 हाथियों की जान चली गई। यहां पिछले पांच साल में ऐसी घटनाओं में करीब 285 लोग और 45 हाथी मारे जा चुके हैं। ये आंकड़े भयभीत करने वाले हैं। झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल सहित कई राज्यों में बड़ी संख्या में हाथी रहते हैं।

इस समस्या का एक कारण यह भी है कि मनुष्य जंगलों में घुसकर जंगलों को खत्म कर रहा है और वहां के संसाधनों को अपने स्वार्थ के लिए बरबाद कर रहा है। जंगली जानवरों के प्राकृतिक पर्यावास, भोजन और जल पर आदमी कब्जा करता जा रहा है। जंगल सिमटते जा रहे हैं, इसीलिए जानवर जंगलों से भागकर भोजन और पानी की तलाश में शहर में आ जाते हैं। हम जंगलों पर कब्जा कर रहे हैं और जब जंगली जानवर मजबूरी में शहर में घुसता है, तो कहते हैं कि जानवरों ने इतने लोगों को मार दिया। लेकिन जब आदमी जानवरों को मारते हैं तो कोई हल्ला नहीं होता। क्या पशुओं को जीने का अधिकार नहीं है?

मनुष्य की प्रवृत्ति और प्रदूषण से वैसे भी कई प्रजातियां समाप्ति की ओर हैं। मनुष्य कई बार केवल और केवल अपने स्वाद के लिए जंगली जानवरों को भी मार देता है, जबकि अधिकांश जंगली जानवर स्वभाव से मांसाहारी होते हैं। यदि जंगल में जानवरों के लिए भोजन यानी शिकार खत्म हो जाएंगे, तो वे शहर की तरफ आएंगे और गाय-बकरी और कुछ खास स्थितियों में आदमी तक को शिकार बनाएंगे ही। जानवरों के अंदर भी आत्मा है और उन्हें भी जीने का पूरा अधिकार है। स्वार्थ, सुविधा, लाभ या मनोरंजन, किसी भी कारण से पशुओं के साथ अत्याचार या उनकी हत्या गलत है। हमारे हिंदू धर्म में जानवरों को भी पूरा-पूरा सम्मान दिया गया है। विभिन्न जीव-जंतुओं को देवी-देवताओं के साथ इसीलिए जोड़ा गया है, ताकि कम से कम धर्म के कारण ही लोग इनका सम्मान करें, इनकी रक्षा करें। जैसे, मां दुर्गा के साथ सिंह, भगवान विष्णु के साथ गरुड़, भोले शंकर के साथ सर्प और नंदी, गणेश के साथ मूषक, श्रीकृष्ण के साथ गाय आदि।

'दया धर्म का मूल है' और हिंदू धर्म इसी मूल पर स्थित है। बाकी धर्मों में भी जीवों पर दया की शिक्षा दी गई है। यहां तक कि स्कूलों में भी इस बात की शिक्षा दी जाती है, फिर भी लोग अपने स्वार्थ के लिए जानवरों को मार रहे हैं। तो क्यों न पाठ्यक्रम में ही यह भी बता दिया जाए कि किसे मारना है और किसे नहीं? पहले हमारे घरों में गांवों की रसोई में पहली रोटी गाय और आखिरी रोटी कुत्ते के लिए अलग से बनाकर रखी जाती थी। बदले में वे गांव के लिए उपयोगी होते थे। अब यह चलन करीब-करीब खत्म हो गया है। आजकल केवल गाय को मारने की बात हो रही है, पर बाकी जानवरों को भी तो मारा जा रहा है। देखा जाए तो सारे जानवरों का जीने का अधिकार एक समान है। जिस प्रकार फर्जी मुठभेड़ के मामले में मानव अधिकार आयोग तुरंत संज्ञान लेता है, ऐसा ही जानवरों की हत्या या शिकार के मामलों में भी होना चाहिए। हम मनोरंजन के नाम पर सर्कस में 10-15 प्रजाति के जीवों पर होने वाली ज्यादती या माल ढुलाई या खेलों में इस्तेमाल किए जाने वाले जानवरों और पक्षियों की बात ही क्यों करते हैं? सभी पशु-पक्षियों के अधिकारों के बारे में समान रूप से चर्चा होनी चाहिए।

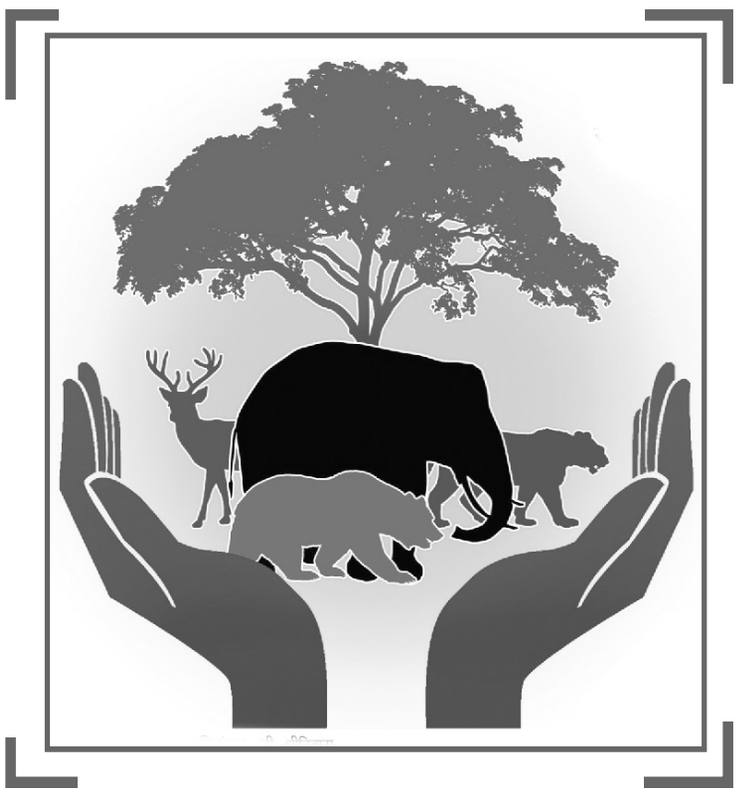

मनुष्य को समस्त प्राणी-जगत में सर्वश्रेष्ठ कहा जाता है। ऐसे में उसके द्वारा पशुओं के साथ क्रूरता का व्यवहार शोभा नहीं देता। पशु-पक्षियों से रहित दुनिया की हम कल्पना भी नहीं कर सकते। वसुधैव कुटुम्बकम के दर्शन वाली संस्कृति में इन प्राणियों का भी उतना ही महत्व है जितना मनुष्य का। ये भी प्रकृति के सौंदर्य का हिस्सा हैं। इसीलिये जरूरी है कि मानव इनके प्राकृतिक आवास और जीवन को सुरक्षित रखे और उसमें दखल न दे। अन्यथा प्रकृति की फूड चेन गड़बडाने का पूरा असर मनुष्य पर भी पड़ना तय है। ऐसे में इस चेन को बचाए रखना इंसानों के लिए भी उतना ही जरूरी है, जितना जानवरों के लिए।

वक्त आ गया है कि सरकार को एक उच्च स्तरीय समिति बनाकर नए कानून बनाने चाहिए कि जीव हत्या में क्या गलत है और क्या ठीक? आखिर क्या कारण है कि ज्यादा से ज्यादा लोग अब शाकाहार की तरफ मुड़ रहे हैं? उन्हीं कारणों पर सरकार अन्य लोगों को प्रेरित कर सकती है। इंसान और जानवर, दोनों में आत्मा समान है। फिर भेदभाव क्यों? क्या सिर्फ हमें ही उन्हें मारने का लाइसेंस मिला है?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

> आजकल केवल गाय को मारने की बात ही हो रही है, लेकिन सच यह है कि देश में बाकी जानवरों को भी मारा जा रहा है।

जीका वायरस

बीमारी के संक्रमण के साथ खौफ भी रोकें

अभिषेक कुमार सिंह

जब राजस्थान के स्वास्थ्य विभाग ने प्रदेश में 72 लोगों के जीका वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि की है तो पता चल रहा है कि देश इससे महफूज नहीं रह गया है। गौरतलब है कि पिछले साल भी भारत में जीका की आहट सुनाई दी थी। गुजरात में जनवरी और फरवरी 2017 के बीच अहमदाबाद में दो गर्भवती महिलाओं और एक बुजुर्ग के जीका वायरस से प्रभावित होने की बात सामने आई थी। मच्छरों से फैलने वाले जानलेवा जीका वायरस से भारत सुरक्षित नहीं है। इसे लेकर एक आशंका सितंबर, 2016 में सिंगापुर में 13 भारतीयों में इस वायरस की मौजूदगी से पैदा हुई थी। यह बेफिक्री तब है, जब 2016 में विश्व स्वास्थ्य संगठन जीका को ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर चुका है। इस साल राजस्थान के मामले में भी कुछ ऐसी ही लापरवाही नजर आई है। प्रश्न उठता है कि हमारा देश जीका की चुनौती से आखिर कैसे निपटेगा क्योंकि एक तो यह मच्छरों के प्रकोप से पहले से ही त्रस्त है और फिर हमारा स्वास्थ्य ढांचा व सेहत का सूचना तंत्र भी विकसित देशों के मुकाबले काफी लचर है।

हालांकि मच्छरों के जरिये फैलने वाले जीका वायरस का ज्यादा असर ब्राजील और दक्षिण अमेरिका समेत 20 देशों में है लेकिन तेजी से फैल रहे जीका के मामले में हम खुद को सुरक्षित नहीं मान सकते। जीका की घातकता यह है कि इसके असर से नवजात शिशुओं का दिमाग विकसित नहीं हो पाता और वे अपने माता-पिता के लिए बोझ बनकर रह जाते हैं। जीका वायरस फैलाने वाला मच्छर भी उसी एडीज प्रजाति का होता है जो भारत में मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, जापानी इनसेफेलाइटिस और फाइलेरिया जैसे रोगों के लिए पहले से ही सीधे तौर पर जिम्मेदार है। मच्छर ही नही, यहां का गर्म मौसम भी इसके लिए एक जमीन तैयार करता है। कभी स्वाइन फ्लू का शोर उठता है तो कभी इबोला वायरस से लेकर निपाह के जानलेवा हमले की खबर आती है। सवाल है कि क्यों नई-नई संक्रामक बीमारियां सामने आ रही हैं? क्या यह दुनिया के कमजोर स्वास्थ्य तंत्र का नतीजा है या फिर इसमें बहुराष्ट्रीय फार्मा कंपनियों की कोई साजिश है?

एक सवाल यह भी है कि मेडिकल साइंस की इतनी तरक्की के बावजूद वायरस इतने संहारक क्यों हो रहे हैं? वैज्ञानिकों का इस बारे में मत है कि ज्यादातर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने रोगाणुओं के जीवन चक्रों को समझने की कोशिश नहीं की या संक्रमणों की कार्यप्रणाली को नहीं जाना। नतीजतन, हम संक्रमण की शृंखला तोड़ने में नाकाम हुए। बर्ड फ्लू, स्वाइन फ्लू, इबोला, मलेरिया, डेंगू, जीका और एचआईवी-एड्स से होने वाली मौतों में बीते तीन-चार दशकों में कई गुना बढ़ोतरी हो चुकी है और कहा जा रहा है कि 1973 के बाद से विषाणुजनित 30 नई बीमारियों ने मानव समुदाय को घेर लिया है। धरती पर फैले सबसे घातक रोगाणुओं ने एंटीबायोटिक और अन्य दवाओं के खिलाफ जबरदस्त जंग छेड़ रखी है और बीमारियों के ऐसे उत्परिवर्तित वायरस (रोगाणु) आ गए हैं, जिन पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। वायरसों से जुड़ी यह एक बड़ी समस्या है कि इनके वायरस म्यूटेशन (यानी उत्परिवर्तन) का रुख अपना रहे हैं। इसका मतलब यह है कि मौका पड़ने पर वायरस अपना स्वरूप बदल लेते हैं, जिससे उनके प्रतिरोध के लिए बनी दवाइयां और टीके कारगर नहीं रह पाते हैं। अरसा पहले साइंस मैगजीन में एक साइंटिस्ट ने लिखा था- बैक्टीरिया आदमी से भी ज्यादा चालाक है। जिस तरह इनसान ने पृथ्वी पर हर परिस्थिति और वातावरण में ढलना सीख लिया, उसी प्रकार वायरसों ने एंटीबायोटिक्स से समायोजन करना सीख लिया है। सच यह है कि ऐसी भीषण बीमारियों का सामना करने वाले कारगर टीके भी अभी मुकम्मल तौर पर विकसित नहीं हो पाए हैं। जीका वायरस के तेजी से फैलने की आशंका इसलिए गहरा गई है क्योंकि यह संसर्ग आदि के कारण एक से दूसरे में प्रवेश कर रहा है।

भारत में पिछले एक-डेढ़ दशक में मेडिकल टूरिज्म का दायरा तो काफी बढ़ा है और बाहर से इलाज करने आए मरीजों की बदौलत देश के विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा भी हुआ है, लेकिन जीका व स्वाइन फ्लू समेत विभिन्न वायरसों के संक्रमण के आगे हमारा स्वास्थ्य तंत्र लचर साबित होता है। इलाज की व्यक्ति केंद्रित व्यवस्था ने बीमारियों के सस्ते उपचार की व्यवस्था को लील लिया है और उसकी जगह किसी न किसी बहाने से गरीब का शोषण करने वाली मशीनरी ने ले लिया है। हैरानी नहीं कि इस वक्त दुनिया में जो एक तंत्र जीका वायरस को बेहद गंभीर महामारी के रूप में पेश करने में लगा हुआ है, मुमकिन है कि उसका असल उद्देश्य बीमारी को रोकने के बजाय बेशुमार कमाई की व्यवस्था करना हो। लिहाजा बीमारी के साथ-साथ खौफ के संक्रमण की रोकथाम का उपाय करना चाहिए।

पराली

बदल सकती है खेत की किस्मत

पंकज चतुर्वेदी

इन दिनों दिल्ली और आसपास के दो सौ किलोमीटर में फैली आबादी के लिए सांस लेना दूभर हो गया है। यही हाल सीमापार पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में भी है। ''नासा' द्वारा खींचे गए सैटेलाईट चित्र से स्पष्ट हो गया है कि इंसान के लिए जानलेवा बन रहे इस धुएं का बड़ा हिस्सा खेतों में पराली जलाने से उपज रहा है। सभी जानते हैं कि हरियाणा और पंजाब में ज्यादातर किसान पिछली फसल काटने के बाद खेतों के अवशेषों को उखाड़ने के बजाए खेत में ही जला देते हैं, या फिर ऐसे बर्बाद होने देते हैं। यह न केवल जमीन की उर्वरा शक्ति को प्रभावित करता है, बल्कि थोड़ी समझदारी दिखाई जाए तो किसान फसल अवशेषों से खाद बनाकर अपने खेत की उर्वरता बढ़ा सकते हैं।एक अनुमान है कि हर साल अकेले पंजाब और हरियाणा के खेतों में तीन करोड़ 50 लाख टन पराली या अवशेष जलाया जाता है। एक टन पराली जलाने पर दो किलो सल्फर डायऑक्साईड, तीन किलो ठोस कण, 60 किलो कार्बन मोनोऑक्साईड, 1460 किलो कार्बन डायऑक्साईड और 199 किलो राख निकलती है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि जब कई करोड़ टन अवशेष जलते हैं, तो वायुमंडल की कितनी दुर्गति होती होगी। इन दिनों सीमांत व बड़े किसान मजदूरों की उपलब्धता की चिक-चिक से बचने के लिए खरीफ फसल खास तौर पर धान काटने के लिए हार्वेस्टर जैसी मशीनों का सहारा लेते हैं। इस तरह की कटाई से फसल के तने का अधिकांश हिस्सा खेत में ही रह जाता है। खेत की जैव विविधता का संरक्षण जरूरी है, खास तौर पर जब पूरी खेती ऐसे रसायनों द्वारा हो रही है, जो कृषि-मित्र सूक्ष्म जीवाणुओं को ही चट कर जाते हैं। फसल से बचे अंश का इस्तेमाल मिट्टी में जीवांश पदार्थ की मात्रा बढ़ाने के लिए नहीं किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। जहां गेहूं, गन्ने की हरी पत्तियां, आलू, मूली, की पत्तियां पशुओं के चारे के रूप में उपयोग की जाती हैं, तो कपास, सनई, अरहर आदि के तने गन्ने की सूखी पत्तियां, धान का पुआल आदि जला दिया जाता है। हालांकि सरकार ने पराली जलाने को आपराधिक कृत्य घोषित कर दिया है, और किसानों को इसके लिए प्रोत्साहन राशि आदि भी दे रही है, लेकिन परंपरा से बंधे किसान इससे मुक्त नहीं हो पा रहे। वे चाहें तो गन्ने की पत्तियों, गेहूं के डंठलों जैसे अवशेषों से कंपोस्ट तैयार कर अपनी खाद के खर्च व दुष्प्रभाव से बच सकते हैं। इसी तरह जहां मवेशियों के लिए चारे की कमी नहीं है, वहां धान की पुआल को खेत में ढेर बनाकर खुला छोड़ने के बजाय गड्ढ़ों में कंपोस्ट बनाकर उपयोग कर सकते हैं। आलू और मूंगफली जैसी फसलों को खुदाई कर बचे अवशेषों को भूमि में जोत कर मिला देना चाहिए। मूंग व उड़द की फसल में फलियां तोड़कर खेत में मिला देना चाहिए। इसी तरह केले की फसल के बचे अवशेषों से कंपोस्ट तैयार कर ली जाए तो उससे 1.87 प्रतिशत नाइट्रोजन 3.43 फीसदी फास्फोरस व 0.45 फीसद पोटाश मिलता है। फसल अवशेष जलाने से खेत की छह इंच परत, जिसमें विभिन्न प्रकार के लाभदायक सूक्ष्म जीव राइजोबियम, एजेक्टोबैक्टर, नील हरित काई, मित्र कीट के अंडे आदि आग में भस्म हो जाते हैं। साथ ही, भूमि की उर्वरा शक्ति भी जर्जर हो जाती है।फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन जैसे फसल कटाई के बाद अवशेषों को एकत्रित कर कंपोस्ट गड्ढे या वर्मी कंपोस्ट टांके में डालकर कंपोस्ट बनाया जा सकता है। खेत में ही पड़े रहने देने के बाद जीरो सीड कर फर्टिलाइजर ड्रिल से बोनी कर अवशेष को सड़ने हेतु छोड़ा जा सकता है। इस प्रकार खेत में नमी संरक्षण होता है, जिससे खरपतवार नियंतण्रएवं बीज के सही अंकुरण होता है। किसान अनजाने में अवशेष जला कर सांस लेने से जुड़ी गंभीर तकलीफों और कैंसर तक का वाहक बन गया है। इससे उनका अपना परिवार भी चपेट में आ सकता है। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण ने खेतों में फसलों के कटने के बाद बचे अवशेषों को जलाने पर पाबंदी लगाई है। दंड का भी प्रावधान किया गया है। अवशेष जलाने वाले 2 एकड़ रकबा वाले किसान से 2 हजार 500 रुपये, 2 से 5 एकड़ वाले से 5 हजार और 5 एकड़ से अधिक रकबा वाले किसानों से 15 हजार रुपये दंड वसूलने का प्रावधान किया गया है। हालांकि पंजाब में किसानों का एक बड़ा वर्ग मानने के लिए तैयार नहीं है कि दिल्ली जैसे शहरों में वायू प्रदूषण का कारण पराली जलाना है। वह सरकार की सब्सिडी योजना से नाखुश है। उसका कहना है कि पराली को नष्ट करने की जो मशीन बाजार में 75 हजार से एक लाख रुपये में उपलब्ध है, सरकार की सब्सिडी से डेढ़ से दो लाख रुपये में पड़ती है। जाहिर है कि सब्सिडी उनके लिए बेमानी है।

सार समाचार

अफगानिस्तान में विस्फोट में चुनाव उम्मीदवार समेत चार लोगों की मौत

कंधार (अफगानिस्तान)। अफगानिस्तान में इस महीने की 20 तारीख को होने वाले संसदीय चुनाव से पहले बुधवार को एक सोफे के नीचे रखे बम के धमाके में एक उम्मीदवार सहित चार लोगों की मौत हो गयी। अफगानिस्तान में चुनाव से पहले बढ़ी हिंसा की कड़ी में यह ताजा घटना है। इस बम विस्फोट की जिम्मेदारी तालिबान ने ली है। संसदीय चुनावों के प्रचार के दौरान हमले में अबतक 10 उम्मीदवारों की मौत हो चुकी है।

प्रांतीय गर्वनर के प्रवक्ता उमर झवाक ने बताया कि तालिबान की मजबूत पकड़ वाले हेलमंद प्रांत के दक्षिणी इलाके में अब्दुल जब्बार कहरमान अपने कार्यालय में समर्थकों के साथ बैठक कर रहे थे। इसी दौरान वहां एक बम विस्फोट हो गया। यह बम सोफे के नीचे रखा हुआ था। गृह मंत्री वैस अहमद बारमाक ने संवाददाताओं को बताया कि इस हमले में कहरमान समेत चार लोगों की मौत हो गयी। यह विस्फोट प्रांतीय राजधानी लशकरगाह में हुआ। उन्होंने बताया कि सात अन्य लोग घायल हो गए हैं और तीन संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया है। राष्ट्रपति अशरफ गनी ने इस हमले की निंदा की है । कहरमान लशकरगाह में इस महीने मारे जाने वाले दूसरे उम्मीदवार हैं ।

सऊदी अरब ने पाकिस्तान के लोगों को उमरा यात्रा-कर से छूट दी

इस्लामाबाद। सऊदी अरब ने पाकिस्तान से उमरा के लिए जाने वाले यात्रियों पर 2,000 रियाल के कर को समाप्त करने का फैसला किया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने इस बारे में सऊदी अरब से आग्रह किया था। बुधवार को मीडिया की खबरों में यह जानकारी दी गई। धार्मिक मामलों पर सीनेट की स्थायी समिति को मंगलवार को सूचित किया गया कि प्रधानमंत्री खान ने पिछले महीने खाड़ी देश की यात्रा के दौरान सऊदी अरब के शहजादे मोहम्मद बिन सलमान अल साउद से सऊदी अरब सरकार द्वारा लगाए जाने वाले उमरा कर को हटाने का आग्रह किया था। सीनेटर मौलाना अब्दुल गफूर हैदरी ने बताया, ''मुझे बताया गया है कि यह पाकिस्तान के लोगों पर लगने वाला एक पक्षपातपूर्ण कर है और सरकार को इस बारे में कुछ करना चाहिए।'' धार्मिक मामलों के सचिव मोहम्मद मुश्ताक ने कहा कि यह कर कई लोगों द्वारा बार-बार उमरा करने को हतोत्साहित करने के लिए लगाया गया था। हाल के दिनों में किसी भी देश से आने वाले व्यक्ति पर यह कर लगाया गया था। 'डॉन' अखबार ने मुश्ताक के हवाले से कहा कि दो साल में एक से अधिक उमरा वाले लोगों पर 2,000 रियाल (533 डॉलर) का यह कर मिस्र और तुर्की के लोगों से हटा दिया गया है क्योंकि इन देशों की सरकारों ने इस बारे में सऊदी अरब की सरकार से आग्रह किया था।

यूएस और चीन में जारी तनाव के बीच अमेरिकी पोत ने ताइवान में डाला लंगर

बीजिंग। व्यापार और हथियारों की बिक्री के मुद्दे पर अमेरिका और चीन में जारी तनातनी के बीच अमेरिकी नौसेना के एक अनुसंधान पोत ताइवान के एक बंदरगाह पर पहुंचा । ताइवान की सरकारी सेंट्रल न्यूज एजेंसी का कहना है कि पोत थॉमस जी थॉम्पसन सोमवार को काऊशुंग के दक्षिणी बंदरगाह पर ईंधन भरने और चालक दल का बदलाव करने के लिए पहुंचा । एजेंसी ने रक्षा मंत्री येन दा-फा के हवाले से कहा है कि पोत का यहां रूकना 卐सैन्य गतिविधि से संबंधित नहीं है।卐 अमेरिका और ताइवान के बीच सभी सरकारी और सैन्य संपर्कों का चीन हमेशा से विरोध करता रहा है । चीन दावा करता है कि ताइवान उसका हिस्सा है और आवश्यक होने पर इसे जीतने के लिए वह बल का इस्तेमाल कर सकता है । हालांकि, यह पहला मौका नहीं है जब थॉमस जी थॉम्पसन ताइवान में रुका है । अमेरिका चीन के संबंधों के नाजुक दौर से गुजरने के बीच यह पोत ताइवान में रूका है ।

कैश की कमी: पाक सरकार ने 49 सरकारी गाड़ियों को नीलामी के लिए रखा, सिर्फ एक बिकी

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

नकदी के संकट से जूझ रही पाकिस्तान सरकार ने बुधवार को 49 और सरकारी वाहनों को नीलामी के लिए रखा. इसमें 19 बुलेट प्रूफ कारें शामिल रहीं. इसमें सिर्फ एक कार की नीलामी ही सफल रही.

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान देश पर भारी कर्ज से निबटने के लिए इस तरह के कदम उठा रहे हैं. पाकिस्तान सरकार ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से वित्तीय राहत पैकेज की मांग की थी. करीब एक महीने पहले सरकार पहले चरण में 61 सरकारी वाहन नीलाम कर चुकी है.

आठ भैंसों को भी किया गया था नीलाम: सरकार ने इससे पहले प्रधानमंत्री आवास की आठ भैंसों को भी नीलाम किया था. इससे सरकार को 23 लाख रुपये की आय हुई थी. इन भैंसों को पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने पाला था. किसी एक भैंस के लिए सबसे अधिक बोली 3,85,000 रुपये लगाई गई थी. आठ में से तीन भैंसों को शरीफ के समर्थकों ने खरीदा था. सरकार की योजना चार हेलीकॉप्टरों की नीलामी की भी है.

एक कार से सरकारी खजाने को मिले 90 लाख: जियो न्यूज की खबर के मुताबिक बुधवार को प्रधानमंत्री आवास में आयोजित इस नीलामी में कुल 49 वाहन रखे गए जिसमें से सिर्फ एक की ही बिक्री हुई. इस एक कार से सरकारी खजाने को 90 लाख रुपये की आय हुई. सीमाशुल्क अधिकारियों के अनुसार अगली नीलामी इस्लामाबाद में आई-9 स्थलीय पत्तन पर 25 अक्टूबर को होगी.

अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास में नागरिकों की सीमित आवाजाही है. इसलिए दूसरे चरणा की इस नीलामी में हमें अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिली.

पीएम ने कही थी 102 लक्जरी कारों की नीलामी बात : इससे पहले सुबह में रेडियो पाकिस्तान ने एक रिपोर्ट में कहा था कि खर्च कम करने के अभियान के तहत बुधवार को सरकार ने प्रधानमंत्री आवास में 49 और सरकारी वाहनों को नीलामी के लिए रखा. इसमें 19 बुलेट प्रूफ कार शामिल रहीं. खान ने देश के नाम अपने पहले संबोधन में घोषणा की थी कि अपने मितव्ययता अभियान के तहत वह कुल 102 लक्जरी कारों की नीलामी करेंगे.

एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार संवाददाताओं से बातचीत में प्रधानमंत्री आवास के प्रशासक ने कहा कि नीलामी में कार खरीदने वाले को आयात कर नहीं देना होगा क्योंकि बोली की कीमत में उसे शामिल कर लिया गया है. खरीदार को सिर्फ विदहोल्डिंग कर देना होगा.

खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने ट्विटर पर दावा किया

है कि पहली नीलामी में 2015 के तीन लैंड क्रूजर वी-8 मॉडल से क्रमशः 2.74 करोड़ रुपये, 2.65 करोड़ रुपये और 2.61 करोड़ रुपये मिले. केंद्रीय मंत्री फवाद चौधरी ने कहा कि कारों की पहले चरण की नीलामी में उन्हें बाजार कीमत से ज्यादा पर बेचा गया. नीलामियों से मिलने वाली राशि को राष्ट्रीय खजाने में जमा कराया जाएगा.

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का एशियाई-अमेरिकी भेदभाव मामला शुरू

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने अपने परिसर में विविधता लाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों के कई छात्रों के लिए अपने नियुक्ति के मापदंड घटा दिए हैं लेकिन एशियाई मूल के अमेरिकी लोगों के लिए नहीं। यूनिवर्सिटी में नस्ल आधारित प्रवेश का बचाव करते हुए प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी के डीन ऑफ एडमिशन्स ने संघीय अदालत में गवाही दी। डीन विलियम फित्जसिमोन्स पहले गवाह रहे जिन्होंने सोमवार को मुकदमे में अपना पक्ष रखा। यह मुकदमा इसको लेकर है कि क्या हार्वर्ड यूनिवर्सिटी नागरिक अधिकार कानून का उल्लंघन करते हुए एशियाई-अमेरिकी मूल के आवेदकों के साथ भेदभाव करती है। फित्जसिमोन्स ने यूनिवर्सिटी की प्रवेश नीति का बचाव किया। उन्होंने तर्क दिया कि स्कूल ने ग्रामीण क्षेत्रों के कई छात्रों के लिए प्रवेश के मापदंड घटाए हैं अगर वह एशियाई मूल के अमेरिकी नहीं हैं तो। उन्होंने कहा ऐसा विविधता लाने के लिए किया जाता है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने अपनी सर्वांगीण प्रवेश प्रक्रिया का बचाव किया जिसमें नस्ल को भी एक कारक माना जाता है।

पाकिस्तान : मासूम के साथ किया था रेप, कोर्ट ने दी ऐसी सजा कि सुनकर कांप जाएगी आपकी रूह

लाहौर (एजेंसी)।

पाकिस्तान में सात साल की एक छोटी बच्ची से बलात्कार और उसकी हत्या करने वाले एक सीरियल किलर को एक स्थानीय जेल में बुधवार को फांसी दे दी गई. नाबलिग बच्ची के पिता ने अदालत में दोषी को सार्वजनिक रूप से फांसी देने के लिए याचिका दायर की थी, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया.

नाबालिग से लगा था रेप का आरोप

सीरियल किलर इमरान अली को इस साल की शुरुआत में लाहौर से करीब 50 किलोमीटर दूर कसूर शहर में एक नाबालिग लड़की से बलात्कार और उसकी हत्या करने के मामले में दोषी ठहराया गया था, जिसे आज सुबह कोट लखपत सेंट्रल जेल में फांसी दी गई. 'डॉन' की रिपोर्ट के मुताबिक, अली (23) को मजिस्ट्रेट आदिल सरवर और मृतक के पिता की मौजूदगी में फांसी दी गई. लड़की के चाचा भी उस वक्त जेल में मौजूद थे.

लाहौर हाईकोर्ट ने खारिज की थी याचिका

लाहौर उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सरदार शमीम अहमद और न्यायमूर्ति शाहबाज रिजवी की दो सदस्यीय पीठ ने मंगलवार को नाबालिग लड़की के पिता की उस याचिका को खारिज कर दिया था जिसमें उन्होंने दोषी को सरेआम फांसी देने की मांग की थी.

एक नहीं कई वारदातों को अंजाम दे चुका है आरोपी

इसी साल जनवरी में घटना के दो हफ्ते

बाद पुलिस ने इमरान को गिरफ्तार किया था. इमरान पर नाबालिगों से बलात्कार और उनकी हत्या करने की कम से कम नौ घटनाओं में शामिल होने का आरोप था. गौरतलब है कि उस घटना के बाद पूरे पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर उसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए थे. यहां की एक आतंक-निरोधक अदालत ने पिछले हफ्ते इमरान को फांसी की सजा सुनाई थी.

शिंजो आबे ने विवादास्पद युद्ध स्मारक की श्रद्धांजलि के लिए पौधा भेजा

तोयो (एजेंसी)।

जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने द्वितीय विश्व युद्ध के अपराधियों का सम्मान करने वाले एक विवादास्पद युद्ध स्मारक के लिए श्रद्धांजलि स्वरूप एक पेड़ भेजा है। इस स्मारक की पड़ोसी चीन और दक्षिण कोरिया निन्दा करते हैं। स्मारक की एक प्रवक्ता ने बताया कि आबे ने दिसंबर 2013 से यासुकुनी स्मारक का व्यक्तिगत रूप से दौरा नहीं किया है। हालांकि उन्होंने चार दिवसीय उत्सव की शुरूआत के अवसर पर श्रद्धांजलि के रूप में अपने नाम वाला, पवित्र 'मसकाकी' पेड़ भेजा। आबे मंत्रिमंडल के किसी सदस्य के स्मारक का दौरा करने की कोई खबर नहीं है, लेकिन कुछ वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं ने अपनी ओर से श्रद्धांजलि भेजी। यासुकुनी हाल में जापान में और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तब सुर्खियों में आया था जब इसके मुख्य पुजारी ने, सम्राट की आलोचना वाली अपनी अत्यंत अनुचित।

खशोगी जो कुछ हुआ उसके जिम्मेदारों को नहीं बख्शने का सऊदी अरब ने किया वादा

रियाद (एजेंसी)।

अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने बुधवार को कहा कि सऊदी अरब ने वादा किया है कि पत्रकार जमाल खशोगी की गुमशुदगी की जांच में किसी को भी नहीं छोड़ा जाएगा। यह पूछे जाने पर कि क्या सऊदी शाही परिवार के किसी सदस्य को इस मामले में जवाबदेह ठहराया जा सकता है, पोम्पियो ने रियाद में बातचीत के बाद कहा कि उन्होंने ऐसा कोई अपवाद नहीं रखा है, जिन्हें वे जवाबदेह नहीं ठहराएं। पोम्पियो ने रियाद से तुर्की जाते वक्त एक विमान में यह बात कही। उन्होंने रियाद में शाह सलमान और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ खशोगी के मामले पर बात की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खशोगी को लेकर जारी संकट की स्थिति का हल करने के लिए पोम्पियो को रियाद भेजा था। गौरतलब है कि खशोगी को दो अक्टूबर को आखिरी बार उस वक्त देखा गया था, जब उन्होंने इस्तांबुल स्थित सऊदी वाणिज्य दूतावास में प्रवेश किया था। वह एक अमेरिकी नागरिक हैं। तुर्की में अधिकारियों ने कहा कि वाणिज्य दूतावास के अंदर खशोगी मारे गये हैं। दिन भर की वार्ता के बाद पोम्पियो के एक बयान और ट्रंप के एक ट्वीट में कहा गया कि वाणिज्य दूतावास में जो कुछ भी हुआ, उस बारे में सऊदी नेतृत्व ने किसी तरह की जानकारी होने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब ने एक गहन और पारदर्शी जांच का वादा किया है।

राष्ट्रपति सिरीसेना की हत्या की साजिश की खबरों को श्रीलंका सरकार ने किया खारिज

कोलंबो (एजेंसी)।

श्रीलंका सरकार ने मीडिया की इन रिपोर्टों को बुधवार को खारिज कर दिया कि राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरीसेना ने भारत की गुप्तचर एजेंसी 'रॉ' पर अपनी हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया है और भारत को एक अहम बंदरगाह परियोजना देने का विरोध किया है.

श्रीलंका में पूर्वी टर्मिनल परियोजना सहित भारत समर्थित परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से वार्ता के लिए श्रीलंकाई प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे की नई दिल्ली की यात्रा से पहले मीडिया में ये खबरें आईं.

कैबिनेट की मंगलवार को हुई बैठक के बाद एक मंत्रालय सूत्र के हवाले से द्रष्ठने यह खबर दी थी कि सिरीसेना ने गठबंधन में शामिल साझेदार दल, यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) पर अपनी और रक्षा मंत्रालय के पूर्व सचिव गोटाभाया राजपक्षे की हत्या की कथित साजिश को गंभीरता से नहीं लेने का आरोप लगाया है.

अपना नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर एक मंत्री ने दावा किया कि राष्ट्रपति ने कहा है कि भारत की विदेशी गुप्तचर एजेंसी 'रिसर्च एंड एनालिसिस विंग' (रॉ) इस साजिश के पीछे है.

कैबिनेट प्रवक्ता रजीता सेनारत्ने ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इन खबरों को खारिज कर दिया और इसे 'पूरी तरह असत्य' करार दिया. सेनारत्ने ने कैबिनेट सचिव एस एबेसिंघे का एक बयान पढा, जिसमें कहा गया कि राष्ट्रपति ने अपनी हत्या की साजिश रचे जाने के बारे में रॉ के खिलाफ कुछ नहीं कहा है.

उन्होंने कहा कि 16 अक्टूबर 2018 को राष्ट्रपति सचिवालय में कैबिनेट बैठक के दौरान चर्चा किए गए विषयों पर प्रकाशित एवं प्रसारित खबरों पर कैबिनेट मंत्रियों के प्रमुख के तौर पर राष्ट्रपति ने ध्यान दिया. इस बात पर जोर दिया गया कि वे खबरें पूरी तरह से असत्य हैं. सेनारत्ने ने कहा कि श्रीलंका में भारत सरकार या भारतीय कंपनियों द्वारा क्रियान्वित की जाने वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से जुड़ा कोई कैबिनेट पत्र उस बैठक का हिस्सा नहीं था. राष्ट्रपति ने इस बारे में ब्योरा नहीं दिया कि भारत इस साजिश में कैसे शामिल था.

खबर में कहा गया था कि सिरीसेना चीन संचालित कोलंबो इंटरनेशनल कंटेनर टर्मिनल (सीआईसीटी) के पास टर्मिनल विकसित करने के लिए भारत को इजाजत देने के खिलाफ हैं.

सिरीसेना ने इससे पहले कहा था कि दक्षिणी बंदरगाह हंबनटोटा चीन को पहले ही पट्टे पर दिया जा चुका है. ऐसे में कोलंबो बंदरगाह में भारत को शामिल करना किसी आकस्मिक स्थिति में श्रीलंका के हित में नहीं होगा.

बहरहाल, कैबिनेट प्रवक्ता ने बुधवार को कहा कि सिरीसेना ने भारत के साथ पूर्वी बंदरगाह टर्मिनल के विकास की परियोजना का विरोध नहीं किया है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कोलंबो बंदरगाह में पूर्वी टर्मिनल विकसित करने के लिए श्रीलंका को अपनी सहमति दी थी.

यूएन अधिकारी ने खशोगी की गुमशुदगी की निष्पक्ष जांच कराने का आह्वान किया

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि सऊदी अरब और तुर्की को पत्रकार जमाल खशोगी की गुमशुदगी के बारे में जो भी पता है उन्हें उसका खुलासा करना चाहिए। उन्होंने असंतुष्ट सऊदी पत्रकार के ठिकाने के बारे में 'गहन एवं निष्पक्ष जांच' की भी मांग की।

आशंका है कि खशोगी (60) की इस्तांबुल में सऊदी अरब के वाणिज्य दूतावास में हत्या कर दी गयी है। इस घटना की अमेरिका और दुनियाभर में निंदा हुई । वह वैध स्थायी निवासी के तौर पर यहां रहते थे और 'द वाशिंगटन पोस्ट' में काम करते थे। खशोगी दो अक्टूबर को इस्तांबुल में सऊदी वाणिज्य दूतावास में दाखिल होने के बाद गायब हो गये थे। तुर्की अधिकारियों को संदेह है कि सऊदियों ने उन्हें अगवा कर मार डाला। लेकिन सऊदी अरब का कहना है कि संबंधित पत्रकार उस भवन से बाहर निकल आये थे और हत्या का दावा 'आधारहीन' है।

खशोगी सऊदी शाह सलमान के आलोचक के रुप में जाने जाते थे। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त मिशेल बेचलेट ने मंगलवार को सऊदी और तुर्की की सरकारों से अपील की है कि उन्हें इन मशहूर पत्रकार की गुमशुदगी और संभावित न्यायेत्तर हत्या के बारे में जो कुछ भी मालूम है, वे उसका खुलासा करें।

उन्होंने दोनों देशों के प्रशासनों से यह भी सुनिश्चित करने की अपील की कि त्वरित, गहन, प्रभावी, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की राह में कोई बाधा न आए। उन्होंने इस सहमति का स्वागत किया, जिसमें जांचकर्ताओं को इंस्ताबुल में सऊदी अरब के वाणिज्य दूतावास और संभवतः महावाणिज्य दूत के आवास के अदंर जांच करने को अनुमति मिली। उन्होंने कहा कि त्वरित एवं पारदर्शी जांच के लिए अधिकारियों की राजनयिक छूट तत्काल हटायी जाए।

रूस में आतंकी हमला : क्रीमिया कालेज में विस्फोट, 17 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रूस में क्रीमिया स्थित कालेज में विस्फोट होने से कम से कम 17 लोगों की मौत हो गयी है और अनेक अन्य घायल हुए हैं। एबीसी की रिपोर्ट के अनुसार क्रीमिया के कर्च में स्थित पालीटेक्निक कालेज में विस्फोट हुआ। शुरुआती रिपोर्ट में इसे एक गैस विस्फोट कहा गया लेकिन रूस के आतंकवाद निरोधक समिति ने बयान जारी कर कहा कि यह विस्फोट अज्ञात विस्फोटक सामग्री के जरिए कराया गया था। रूस के अधिकारियों ने कहा कि वे इसे एक आतंकवादी हमले के रूप में ले रहे हैं।

जांच समिति ने कहा है कि वह विस्फोट की आपराधिक जांच शुरु कर रही है और इसे एक संदिग्ध आतंकवादी हमले के रूप में ले रही है। विस्फोट करने के लिए बम को धातुओं की वस्तुओं के बीच लगाया गया। विस्फोट में अधिकतर बच्चों की मौत हुई है। रूस के प्रवक्ता दमित्री पेश्कोव ने पत्रकारों को कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पीड़ितों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है और सहायता मुहैया कराने के लिए आपात सेवाओं को आदेश दिये गये हैं।

विस्फोट स्थल पर सहायता मुहैया कराने के लिए सेना के 10 वाहनों के साथ 200 सैनिकों को तैनात किया गया है। गौरतलब है कि रूस ने वर्ष 2014 में क्रीमिया प्रायद्वीप पर कब्जा करने के लिए सेनाएं भेजी थी तभी से क्रीमिया रूस के अधिकार क्षेत्र में है।

पांडेसरा में दारू, जुआ, गांजा का फलता फूलता गोरख धंधा, प्रशासन लाचार?

सूरत। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पांडेसरा इलाके की हर गली मोहल्ले में भरी संख्या में जगह-जगह जुआ ,गांजा दारू का धंधा चल रहा हैं। इस पर कई लोगों द्वारा लिखित फरियाद करने के बावजूद भी कोई कार्यवाही नही की जाती। पांडेसरा के लोगों का कहना है कि उचे पदों पर बैंठे अधिकारियों की मिली भगत से यह गोरख धंधा फल-फुल रहा हैं। इस क्षेत्र के कापोरर्टर, विधायक इस बात पर ध्यान नही दे रहे हैं। सूरत महानगर पालिका की खुल्ली जगहों पर दारू, गांजे का धंधा कनरे वाले ने कब्जा कर रखा है, जिससे यहां के लोगों को दारू और गांजा पीने के बूरी लत लगी हुआ है। दारू, गांजे का धंधा मणिनगर ,नाग सेन नगर , नेम नगर , के सामने प्रभु नगर गाँधी कुटीर रोड के पास हरिओम नगर के पीछे खुल्ली जगहों पर हो रहे हैं, इस मुद्दों पर न तो महानगर पालिका और न तो प्रशसन ध्यान दे रहा हैं। क्या पांडेसरा पुलिस इतनी लाचार है की दारु और गांजे के धंधा करने वाले माफियाओं के सामने अपनी आंख चुरा कर निकल जाती है और उनके धंधों को बंद कराने के लिए कुछ नहीं करती। पिछले दिनों सूरत शहर में दारू बंदी कराने के लिए शहर के पत्रकारों द्वारा गांधी प्रतिमा चौक बाजार में धरना भी दिया गया लेकिन उन्हे मिला क्या सिरफ आश्वासन। देखना होगा की क्रांति समय के संपादक द्वारा बेबाकी से लीखी गई इस खबर को पढने के बाद अधिकारियों का जमीर जागता है भी या नहीं। पांडेसरा के लोगों का कहना है कि ये असामाजिक तत्व अब मुहल्ले की बहु-बेटियों की तरफ की गल्त हरकते करने लगे है। जब इनकी कोई फरियाद करता है तो उसी झुठे आरोप लगा कर पुलिस परेशान कर रही है।

लिंबायत में युवक पर हमला

सूरत। लिंबायत इलाके में गत शाम को निर्माणकार्य ठेकेदार पर दो अज्ञातों ने हमला कर नगद 8900 और सोने की चेन लूट ली। लिंबायत पुलिस सूत्रों के अनुसार गोडादरा श्रीजीनगर निवासी अनिलकुमार रामसजीवन मिश्रा निर्माणकार्य ठेकेदार हैं। वे गत रोज शाम साढे पांच बजे घर से बाइक लेकर जा रहा था। तभी बाइक पर आए गौरव सिंह श्याम बिहारी सिंह राजपूत समेत दो लोगों ने उसकी बाइक को ओवरटेक कर रोककर मारपीट कर जेब से नगद 8900 रूपए और सोने की चेन समेत 29900 रूपए के सामान की लूट कर फरार हो गए।

सूरत। डिंडोली में दुष्कर्म के बाद हत्या की गई तीन साल की मासूम लड़की को श्रद्धांजली देने के लिए कैन्डल मार्च निकाला गया। बी.आर.सी शिव भक्ति पार्क उधना में शहर के लोगों द्वारा मासूम को भाव भिनी श्रद्धांजली दी गई।

सूरत। भारतीय बहुजन कांग्रेस द्वारा गोड़ादरा, लिंबायत, उधना, डिंडोली में एक माह में 3 मासूम बच्चीयों पर बलात्कार के बाद हत्या करने और इन विस्तारों में खुलोआम शराब बिकरी पर लगाम लगाने के लिए सूरत शहर पुलिस कमिश्नर, और कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर अपनी मांगे रखी। इन महिलाओं का कहना है कि इस तरह का पहली मामला पांडेसरा में सामने आया था जिसकी गुत्थी अभी तक पुलिस सुल्झा नही पाई है, जिससे अपराधियों के होस्ले बुलंद है।

सचीन में चार वर्षिय बच्चे के साथ अप्राकृतिक कृत्य का प्रयास

सूरत। सचिन इलाके में युवक ने चार वर्ष के बच्चे के साथ अप्राकृतिक कृत्य करने का प्रयास किया। लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस को सौंप दिया।

उनगाम के श्यामभाई की चाल में रहनेवाला अमरजीत अरविंद सिंह ने गत रोज सुबह इलाके में घर के बाहर खेल रहे बच्चे को पैसों का लालच देकर अपहरण कर लिया और घर निकट पंपिंग स्टेशन मेन रोड में दीवार के पीछे झाड़ियों में मासूम बच्चे के साथ अप्राकृतिक कृत्य करने का प्रयास किया। इससे पहले ही लोगों ने उसे पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर अमरजीत सिंह को गिरफ्तार किया है।

पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई जानकारियां पेश की गई

परप्रांतीयों पर हमले के केस में राज्य सरकार का एफिडेविट

अहमदाबाद। राज्य में परप्रांतीयों पर हुए हमले मामले में गुजरात हाईकोर्ट में दाखिल हुई पीआईएल में राज्य सरकार की तरफ से प्रांतवाद फैला रहे और परप्रांतीयों को धमकी, हिंसा या अत्याचार का शिकार बनाया गया हो ऐसे मामले में की गई कार्रवाई और उठाये गये कदमों की जानकारी कोर्ट के समक्ष पेश किया गया। राज्य सरकार ने महत्व का एफिडेविट पेश करके कोर्ट को विश्वास दिलाया गया कि, गुजरात में परप्रांतीयों पर हमले या धमकी की घटनाएं नहीं हो इसके लिए सरकार प्रतिबद्ध है । राज्य में शांति और भाईचारा का माहौल स्थापित हो इसके लिए सरकार लगातार प्रयत्नशील है।

राज्य सरकार की तरफ से आंकड़ाकीय जानकारी सहित की जानकारियां पेश करते हुए बताया है कि, साबरकांठा के ढुंढर गांव में परप्रांतीय युवक द्वारा सिर्फ १४ महीने की बच्ची पर बलात्कार की घटना बाद राज्य में भंग हुई परिस्थिति और परप्रांतीयों पर हुए हमले की घटना बाद राज्य सरकार की तरफ से पुलिस प्रशासन को सूचनाएं और निर्देश जारी किए गए थे, जिसके तहत परप्रांतीयों के हमले के केस में पुलिस द्वारा अलग-अलग ६३ से ज्यादा अपराध दर्ज किए गए हैं। राज्य के १० जिलों में भीड़ द्वारा इस प्रकार से हमले किए जाने का ध्यान पर आया है लेकिन सभी मामलों में पुलिस ने निष्पक्षता से और कानूनी कार्रवाई की गई है।

वराछा-पुणा से जुआ खेलते 10 गिरफ्तार

सूरत। शहर के वराछा जवाहरनगर और पुणागाम अमरदीप एपार्टमेन्ट से जुआ खेल रहे 10 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जुआरियों के पाा से नगद रकम और मोबाइल समेत 38 हजार का सामान जब्त किया है।

वराछा पुलिस सूत्रों के अनुसार गत रात में जवाहरनगर सोसायटी में छापेमारी कर जुआ खेल रहे नेता कुश्वाह, रामवीर कुश्वाह, पवन कुश्वाह, जीतेन्द्र कुश्वाह, प्रदीप दामोदर,

दामोदर कुश्वाह को गिरफ्तार कर उनके पास से नगद 8600 रूपए और मोबाइल 4 नग समेत 27130 रूपए का सामान बरामद किया गया। जबकि पुणा पुलिस ने पुणागाम अमरदीप एपार्टमेन्ट के चबूतरे के पास से चंद्रपाल सिंह पाल, ब्रिजेश चोरसिया और नितेशकुमार पटेल को गिरफ्तार कर उनके पास से नगद 11550 रूपए नगद जब्त किए। पुलिस ने सभी जुआरियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

सूरत। बारडोली तालुका के खरवासा गांव में घी सूरत डिस्ट्रिक्ट को. ओप. बैंक लि. की 88वीं शाखा का बुधवार की सुबह शुभारंभ हुआ।

भद्रकाली, अंबाजी सहित के मंदिरों में भक्त पहुंचे

अहमदाबाद। नवरात्रि त्यौहार का सबसे महत्वपूर्ण आठम के अवसर पर बुधवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अंबाजी सहित के माता के मंदिरों में विशेष पूजा, होम, हवन और नवचंडी यज्ञ सहित का भव्य आयोजन किया गया । शहर की प्रसिद्ध भद्रकाली मंदिर, धनासुथार की पोल के ८०० वर्ष पुराने प्राचीन अंबाजी माता के मंदिर सहित, भुलाभाई पार्क बहुचर माता, माधुपूरा के अंबाजी माता सहित के विभिन्न मंदिरों में आठम के अवसर पर माता की अद्भूत श्रृंगार, पूजा, महाआरती, श्रद्धालु भक्तों के लिए विशेष प्रसाद सहित के धार्मिक

कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। नवरात्रि के दौरान आठम की पूजा -आराधना का विशेष और चमत्कारिक महात्मय होने से शहर के बुधवार को माता के मंदिरों में आठम को लेकर हजारों श्रद्धालु दर्शन करने के लिए पहुंचे थे, जि से लेकर माता की भक्ति का माहौल छाया रहा।

बुधवार सुबह से ही शहर के विभिन्न क्षेत्र में स्थित माता के मंदिरों में श्रद्धालु भक्तों और दर्शन करने के लिए भारी भीड़ थी। आठम को लेकर भद्रकाली मंदिर, धनासुथार की पोल के ८०० वर्ष पुराने प्राचीन अंबाजी माता, माधुपूरा की अंबाजी, भुलाभाई पार्क बहुचर माता सहित के मंदिरों में माता का विशेष श्रृंगार किया गया । शहर के धनासुथार की पोल के ८०० वर्ष प्राचीन और ऐतिहासिक अंबाजी मंदिर का इतिहास काफी रोचक रहा है।

शेरों की अर्जी में हाईकोर्ट के महत्व के निर्देश

शेरों की सुरक्षा के लिए सरकार प्रभावी कदम उठाये : हाईकोर्ट

अहमदाबाद । गीर में २३ शेरों की मौत मामले में बुधवार को गुजरात हाईकोर्ट ने दाखिल की गई अर्जी में बुधवार को हाईकोर्ट ने महत्व के निर्देश जारी किए गए । जिसमें हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को सख्त शब्दों में आदेश दिया गया था कि, शेरों की देखभाल और सुरक्षा के लिए राज्य सरकार विशेषज्ञों के मत अनुसार, तुरंत और प्रभावी कदम उठाये। इतना ही नहीं शेरों में वाइरस ज्यादा नहीं फैले और कोई शेर की मौत नहीं हो इसके लिए विशेष सावधानी रखे और इसके लिए कदम उठाने जरूरी है । हाईकोर्ट ने किसी भी परिस्थिति में शेरों की देखभाल और सुरक्षा के मामलों को गंभीरता से लिया जाए और इसकी प्रभावी और परिणामलक्षी तरीके से काम करने के लिए राज्य सरकार को आदेश दिया गया ।

हाईकोर्ट ने शेरों और बाघ की देखभाल और सुरक्षा के पीछे होते वार्षिक खर्च में इतना बड़ा अंतर और भेदभाव क्यों रखा जाता है इस मुद्दे पर केन्द्र सरकार के पास से खुलासा मांगा गया था । हाईकोर्ट ने १९ जनवरी तक में खुलासा करने के लिए केन्द्र सरकार को आदेश दिया गया । आगे हाईकोर्ट ने शेरों की मौत बाद शुरू किया गया उपचार और संपूर्ण कामकाज मामले में प्रगति रिपोर्ट पेश करने के लिए सरकार को आदेश दिया गया । इसके लिए मामलतदार को जरुरी रिपोर्ट स्थानीय कलेक्टर को और इसके बाद यह रिपोर्ट कोर्ट के समक्ष पेश करने के लिए आदेश दिया गया था। १५ जनवरी तक में प्रगति रिपोर्ट पेश करने के लिए कोर्ट द्वारा सूचना दी गई ।

गीर और इसके आसपास के क्षेत्रों में खुले कुएं में शेर गिर जाते हैं, इसी वजह से उनको बचाने के लिए ऐसे कुएं तुरंत आवरणयुक्त बनाया जाए इसके लिए सरकार द्वारा सब्सिडी दी जाए इसके लिए जरूरी होने से सरकार को ऐसे सभी कुएं आवरणयुक्त बनाने के लिए तय सीमा के साथ कार्यक्रम बनाने के लिए और इसका प्रावधान करने के लिए निर्देश दिया गया । हाईकोर्ट ने गीर क्षे६ और इसके आसपास के क्षेत्र में बिजली तार की फेन्सींग हटाने की कार्रवाई करने के लिए प्रशासन को आदेश दिया गया।

प्रमाणपत्रों के आधार पर लाभ लेनेवालों को कड़ी सजा होगी

अहमदाबाद । राज्य के आदिवासी मंत्री गणपतसिंह वसावा ने बताया है कि, जाति के फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर लाभ लेनेवालों को अब कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। इस बारे में कानून को भारत के राष्ट्रपति की मंजूरी की मुहर लग जाने से अब अवैध प्रवृत्ति करने वाले के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री वसावा ने बताया है कि, मुख्यमंत्री विजय रुपाणी के मार्गदर्शन के तहत भाज पा की प्रगतिशील सरकार ने संवेदनशीलता, निर्णायकता और पारदर्शिकता अपनाकर गुजरात विधानसभा में इस मामले में कानून पारित करके राज्यपाल की सिफारिश से राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा गया। जि से ५ अक्टूबर को राष्ट्रपति द्वारा मंजूरी दी गई है। मंत्री वसावा ने बताया है कि, जाति के प्रमाणपत्र मामले में दूसरे राज्यों के कानून संबंधित राज्य के राज्यपाल द्वारा मंजूर किया गया है। गुजरात के कई हिस्सों में हुई फर्जी सहित के प्रमाणपत्रों की घटनाएं राज्य सरकार के ध्यान में आयी थी । जाति के फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर आरक्षण प्रथा का लाभ लेनेवाले असली लोग संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं । ऐसी गैरकानूनी की प्रवृत्ति को अपराध के तौर पर ठहराकर इसे नष्ट करने के उद्देश्य से गुजरात सरकार के संबंधित दो विभाग आदिवासी विकास विभाग और सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग द्वारा संयुक्त रूप से तैयार किए गए यह कानून को अब मंजूरी मिल गई है यह मंत्री ने बताया है।

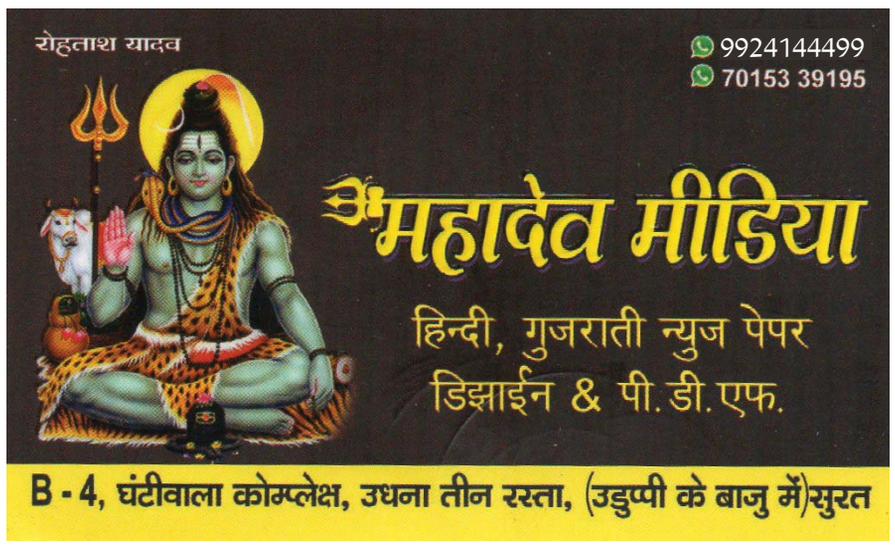

सूरत। रोटरी कल्ब के द्वारा आर.सी.सी रोटरी कोम्युनिटी कोर्प्स डिंडोली का हुआ गठन। डिंडोली के ग्रीन ऐपल जनरल होस्पिटल में रोटरी कल्ब ओफ सूरत द्वारा रोटरी कोम्युनिटी कोर्प्स डिंडोली पदग्रहण समारोह का आयोजन भी किया गया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com